Shikshan Sanshodhan : Journal of Arts, Humanities and Social Sciences ISSN(o): 2581-6241
Monthly, Peer-Reviewed, Refereed, Indexed Journal Impact Factor: 6.831
Volume - 7, Issue - 05, May - 2024

DOIs:10.2018/SS/202405008 --:-- Research Paper / Article / Review

सेंट टमास एकुइनासाः चाँदो बोंगा चेतान पा़तया़ओ आर चाँदो बोंगा मेनाया – मेन् - ते पोरमाण बाख्-रा ते गाँदन- गासन

माहिमा़इ माण्डि
एसिस्टेट पर्-फेसार, दर्शन-शास्तर्
बर्धमान राज् कलेज्, पछिम बांग्ला, भारत् दिशोम
इमेल ठाँओ – mahimaimandi@gmail.com

हुडिञ माछाते आसल काथा

मध्ययुग्-रेन धरम्-तात्तिक कोयाः आयुर हरते सेन्ट टमास एकुइनास हँ चाँदो बोंगा चेतान पा़तया़ओ गे चाँदो बोंगा बेपार ते गेयान ञाम रेनाः मूल भित् मेनते - ये बाताओ – आकात् रे -हँ उनिद धर्म – तात्तिक् गाल्माराव सातेत् दर्शन-शास्तर् सम्मत गाल्माराव – ए जुड़ौओ आकादा। उनिदय मनेया चाँदो बोंगा द कुकमु ते ञापाम कातेत् हं आयाः काथाय लैया – नोवा बिश्वास आर आबोआः बुद्धि – बिचा़र तेह चाँदो बेपार ते गेयान बोन अर्जन दाड़ेयाआ। तबे बुद्धि -बिचा़र ते जाहाय मानमि चाँदोये बाड़ायेया उनिद पुरा़पुरि द बाडे़ बाड़ाय दाड़ेयाया। चेदाः से मानवा दया ससीम (अपूरनण) गेया । अनकागे युक्ति-बुद्धि द्वारायते ञाम परोक्-ख गेयान रेह हिदिच् ताहेना। युक्ति हरते दो आबो बाड़ायाः खन् बां बाड़ायाः ते, कार्य खन् कारण ते,शर्ताधीन खन् शर्तहीन, पासेत् खन् एकला(निश्चोय) रे बोन् सेटेर दाड़ेयाआ। नंकान युक्ति डाहार तेगे आबोद चाँदो बोंगाआः बेनाव धुड़ि-धार्ति ञेल कातेत् बेनाविच् चाँदो बोंगा बोन अनुमाने काना।

गौढयौऔ काथा: मानवा, चाँदो बोंगा/ ईश्वर, धार्ति बेनायिच् ,आय-उमाँनियौ, आचुचालायिच् ।

१. एतहब् :

धार्ति पूरीरे टुडौं भोर मानमियाः मेत् आर मनेये ञेला नोवा धार्ति मा आडि रिला़माला,हय-हुडुर, रिमिल-दाः, सेतों हासा-धूड़ि आरहँ आयमा जिनिष गे ञेल कातेत् मनेरे कुकली राकब-आ नोवा कोद आसले चेत् काना ? चेदाः आर चेत् खातिर बेनाव आकाना ? आर इञ द अकय ? चेत् लागित् नडेञ हेज् आकाना ? धार्तिरे चेदाः सानामाः गे पालट् चालाः काना ? चेदाः हाहाड़ाः गे श-सेबेल-सड़म् , राहा-आड़ां, नोवा कोद चेत् काना ? नोवा धार्ति अकये बेनाओ आकादा ? आर अकये आचु चालाओ-एदा ? आरहँ आयमा गान् कुकली को। नोवा को कुकली रेनाः तेला रुया़ड़ रे आयमा दार्शनिक आकोवाः आम्दजाकात् काथाको लौय सदराकादा आर युक्ति को उदुः आकादा। अनकागे मित् ञुतुमान दार्शनिक सेन्ट् टमास् एकुइनास चाँदो बोंगा से ईश्वर से गड् मेनाया नोवा काथा इदिकातेत् युक्ति ये साजाऔ आकादा अनागे नित् बोन् गाँदन-गासना ।

चाँदो बोंगा गे सानाम किछु रेन आसल कारण,एतहब् कारण चाँदो द धार्तिये चालाव एम् रेह आच् द थिर्-थार् गेये ताहेना। चाँदो बोंगा शून्य खन् धार्तिये युताकादा । धार्ति द कार्य काना,यआँहआद मित् टां अक्तरे बेनाव लेना। धार्तिरे याहानाः कोगे बोन ञेल ञामेत् चेत् गे चाँदो खन द बां बेनाव आकाना, चेदाःसे चाँदो द उपादानहीन आकार कानाय। आकार खन् उपादान द बां ओडोक् दाड़ेयाआ। चाँदो द नंकान दाड़े मेनाहः ताया, याहागेय इच्छा़या मनागेया बेनाओ दाड़ेयाआ। उपादान कोद आयाः इच्छा़ते बेनाओ कातेत् नोवा धूड़ि-धार्ति ये बेनाव केदा लीला़खेला लागित् ।

<u>दार्शनिकाः मेत् ते</u> शून्य खन् जगत् बेनाओ आकाना मानेद धार्तियाः ताहें बां ताहे चाँदो ठेन गे फेट, अनाते चाँदो गे धार्तिरे मुचौत् कारण।

<u>धरम्- बिश्वा़स रेनाः मेत् ते</u> चाँदो द धार्तिरेन जानाम बाबा, चालाओ बाबा मत द बां उनिद सारा-घाड़िच् गे पालाओ आरे रूखया़ इदियेदा। आर यआँहआतइनआ़ः रकमते नोवा धार्ति बेनाओ गान कोआ अनाको मुदरे नीतोः याहा धार्तिरे मेनाः बोना नोवा गे यतखन नापाया,आर् नडेगे चाँदो आयाः रूपे उदउः सदरेदा। धार्ति बेनाओ रे चाँदो याः उद्देश्य मेनाः ताया। धरम्-बिश्वा़स आर दार्शनिक बिचा़र मेशाल कातेत् एकुइनास द आर हय मेनाकादा चाँदो द अयौगिक माने आडि सरल सोजहे सच्-बच् गेयाय। यौगिक जिनिसाः द उत्पत्ति (बेनाः) मेनाआ बाड़िजः मेनाआ, हाराबुरू मेनाआ हेड़हासुड़ः मेनाआ। चाँदो द बाय बेनाओ - आकाना, बाय हाराबुरू-आ, बाय हेड़-आ। चाँदो द चिरोक-कालगे मित् रकम् गेये ताहेना, एहब् मुचौत् चेत् गे बानुः ताया। उनिद बिशुद्ध आकार कानाय। मानया चाँदो बोंगा नासे नासे को बाड़ाय दाड़ेयाय रेह पुरिपूर्णो द बां को बुज ञाम दाड़ेवाया।

२. चाँदो बोंगा मेनाय रेनाः पोरमाण

१. धार्ति रेनाः गति आर परिबर्तन बाक्-खा लागित् मित् टेन रेहेत् से आसल गति बेनायिच् से आचु चालायिच् लेकाते चाँदो बोंगा मेनाया।

२.कारणता नियोम आयुर हरते कार्य रूप धार्तिरेनाः कारय-कारण गुन्थुररे रेहेत् से एतहब् कारण लेकाते चाँदो बोंगा मेनाया।

३. सआपक्-ख, से आपतिक धार्ति रेनाः बाक्-खा रे निरपेक्-ख सत्ता हिसा़ब ते चाँदो बोंगा मेनाया बाताओ होयोआ।

४.जगत् रेनाः आडिगान बस्तु आर घटना रेनाः आडि आयमा दाम खन आडि लाफां दाम (मुल्य) लेकाते चाँदो बोंगा स्वईकआ़र आर ---

५. धार्ति तालारे नआनआ-हउनआ़र आय-उमआ़न लोक्-खो कातेत् चरम (यतखन मारांग) मूल्य आय-उमा़निया़ से उद्देश्य साधक लेकाते चाँदो बोंगा मेनाया।

नित द मित् मित् ते पासनाओ ते लआ़यओआ —

क. धार्ति द थिर्-थार् द बानुआ, नोवा द सचल गेया -- धार्ति रे आयमा जिनिस गे आबो गतिशील बोन ञेला , पालट् चालाः बोन ञेलेदा। नोवा गति आर पाल्टाओ चालाः रेनाः मित् याँहाय आचुचालायिच् मेनाया; आर याँहाये आचुचालायेदा उनिहँ धार्ति रे मेनाय कारणते उनिहँ गतिशील गेय होयोआ आर उनियाः हँ गति एमाय लेकाते कोन कारण ताहेना। नंका गे गति एम् जनाः को गुन्थुररे गति से परिबर्तन रेनाः ब्याख्या एमः हओयओः खान अनबस्था दोष होयोआ -- गति से परिबर्तन रेनाः ब्याख्या बां ञामआ। अनाते एकुइनास अनबस्था दोष साहाय लागित् आर गतियान बस्तु को ब्याख्या लागित् चाँदो बोंगा ये अनुमान आकादेया। चाँदो बोंगा जगत् रे सानाम जिनिस रे गतिये एमाः रेहँ आच् दय गतिहीन गेया। चाँदो बोंगा द आच् गे आच् रेन आचुचालायिच् , उनिरेन द अकय हँ गति एमः कोद बानुः कोवा।

ख. बार् नम्बर युक्ति द मित् नम्बर युक्ति लेकागे काना, तबे नँडे द एकुइनास गति आर परिबर्तन बां उल्लेख कातेत् 'कार्य आर कारणे ' उल्लेख आकादा। काथाद होयोः काना, नोवा युक्ति द कारणते नियोम चेतान रे तेंगो मेनाआ। कार्य कारण नियोम लेकाते सानाम कार्य रेनाः गे कारण मेनाआ । नोवा धार्ति रे अका गे आच् आच् ते आयाः कारण बाय होय दाड़ेयाआ , चेदाः से अंडे द उनि बस्तु आच् खन लाहारेन होयोः होयोः ताया,याँहाद युक्तिशास्त्र लेकाते एकाल गे बां गानआ। ताहले कार्य मात्र गे कारण खन ओडोकः काना --- नोवा काथा स्वीकाँर लेखान "अनबस्था दोष " होयो आ। धार्ति रे बस्तु आर घटना को एमन भावते साजाओ मेना आ याँहारे मित् सेच् ते ञेल लेखान याँहा कारण काना एटाः सेन खन ञेल लेखान अनागे आरहँ कार्य। आर कारण रूप अना कार्य रेनाः हँ आरहँ कारण मेनाआ। येमन--- काठ रेनाः कारण दारे, दारे रेनाः कारण दारे ज से जां ,जां रेनाः कारण जां रेनाः आंकुर, जां आंकुर रेनाः कारण हासा,दाः, मार्शाल (सेतों) ,हय एमानको। आर अनाको रेनाः हँ आरहँ अनन्त कारण मेनाआ। नोवा अनन्त कारण पाँजा याहाते बां होयोः अना लागित् गे एकुइनास जगत् रेनाः सानाम कारण रेन आदि कारण ईश्वर मेनद चाँदो बोंगा ये स्बीकाँराकादेया। ईश्वर द सानाम लेकान कारण रेन मूल कारण कान रेहय आयाः द कारण बानुआ। ईश्वर द आच् गे आच् रेन कारण। एकुइनास◌ाः नोवा युक्ति गे आदिकारण बिषयक युक्ति को मेताआ।

ग. जगत् रे काटिच् लाटू सानाम बस्तु आर घटना कोद सापेक्ष,एटाः चेतान रे निर्भर गेया। नोवा को बस्तु रेनाः सिरजोन मेनाआ आर धासाः हँ मेनाआ मानेद नओकओयआः ताहेन द जारूड़ द बां काना,ताहेलेन रेह चालाआ आर बां रेह। आर नोको प्रओत्यएकटइयआः सिरजोन येमन एटाः को निर्भर अनकागे धासाः हँ एटाः निर्भर गे। जगत् रे सानामाः गे अनाते आपतिक,अकागे जारूड़ाः द बां काना। उदाहरण लेकाते लौय गानआ 'छापा आकान बइ रेनाः पाता ' छापा आकान बइ रेनाः पाता आडिगान कारण चेतान निर्भर मेनाआ। येमन---दारे, दारे मआः , काठ सागाड़, काँरखानारे मण्ड युत् , उछौनियाँ,छापाइच् , अनलियाँ , कालि, कलम एमानतेयाः को। नोवा को प्रत्येकटि आरहँ एटाः कारण चेतान रे निर्भर। जगत् रेनाः सानामाः गे ताहले आकस्मिक आर बां खान आपतिक। एकुइनासाः काथा द होयोः काना ताहले एमन मित् टां समय मानाव होयो आ यखन चेत् हँ बां ताहे काना (येहेतु ताहे जारूड़ बां काना) नंकान अबस्ता रे अना चेत् हँ बां ताहे अबस्ता खन जगत् रेनाः बस्तु को 'ताहे' बां आबिर्भुत दाड़ेयाआ। किन्तुक इञाँः प्रत्यक्ष अभिग् गताय मेनेदा ये जगत् रेनाः बस्तु को मेनाआ । जगत् रेनाः नोवा 'ताहे' ब्याख्याय होयोः खान एकुइनासे मेनेदा ये, एमन याहानाः जारूड़ मेनाआ याहाद आपतिक द बां काना, आबश्यिक काना आर अना आबश्यिक सत्ता गे होयोः कानाय ईश्वर। एकुइनासाः नोवा युक्ति गे बिश्वतात्त्विक युक्ति को मेताआ।

घ मूल्यमान से पूर्णता रेनाः मात्राभेद रे सत्य,शइब, आर सुन्दोर रेनाः मात्राभेद चेतान निर्भर कातेत् आबो जागतिक बस्तु आर घटना कोरेनाः बोन बिचौरेदा। आबो द बोन मेनेदा - नोवा जिनिस द हानाटाः जिनिस खन ञेल ते बिशि मजा, बिशि भालिया एमानतेयाः

को। नंकागे परहेक परहेक साजाओ रे बस्तु से घटना को भालि, बिशि भालि , आरहँ बिशि भालि नंकालेकाते साजाओ लेखान मुचौद् रेद मित् टेच् याहानाः स्वीकाँर होयोआ याँहाद यतखच् भालिया आर यत खच् भालि द होयोः कानाय ईश्वर -- ईश्वर गे सत्य , शिब आर सुन्दोर रेन चरम पराकाष्ठा। मूल्यमान से पूर्णता रेनाः नोवा पराकाष्ठा गे ईश्वर बां बोन स्वीकाँर लेखान जगत् रेनाः बस्तु आर घटना रेनाः मूल्य-बिचौर सम्भब बां होयो आ। नोवा गे प्रकर्ष युक्ति को मेताआ।

ङ. जड़ जगत् रे उद्देश्यसाधकता रेनाः निदर्शन लोक्खो कातेत् एकुइनास उद्देश्य साधक से परिकल्पक (आरिगुरिइच्) हिसा़ब ते चाँदो बोंगा मेनाया मेनतेय आमदजाकादा। धार्ति साजाओ बागाओ रे मित् आरिगुरि मेनाआ। धार्ति रेनाः नियोम शृंखला, समजस , जुमिद एमानतेयाः को ब्याख्या लागित् मित् आरिगुरियिच् -- याँहाय द सानाम लेकान गेयान मेनाः ताया आर बुद्धि को मेनाः ताया-- अनकान मित् हड़ , याँहाय द चाँदो बोंगा से ईश्वर मेनते स्वीका़रे होयोः ताबोना। उद्देश्य बानुः , चेतना बानुः जड़शक्ति रेनाः नियोम रे छुड़या़ छिटया़ जड़ी परमाणु खन नंकान साजाव आकात् लेकान धार्ति बां बेनाव दाड़ेयाआ। आरिगुरियिच् छाड़ा चालना लेनखान ञुतौत् यान्त्रिक नियोम ते जड़ बस्तु द कन लोक्खो बां को साधन दाड़ेयाआ। उदाहरण लेकाते एकुइनासे मेनाकादा -- अःसार यदि टेराञिच् द्वारायते बां चालना क आ ताहले अना अःसार आयाः लोक्खो रे बाङे गाथाव दाड़ेयाआ। अनकागे जड़ जगत् हँ युदि याहाय बुद्धिमान सत्ता द्वारायते बां चालना क आ ताहले अना जगत् रे तिसह शृंखला बां ब़ाज़ाय ताहे क आ। अनाते जड़ जगत् रेनाः शृंखला ब्याख्याय लागित् सानाम कामिये दाड़ेयाआ , सानामा ए बाड़ाया याँहाय -- उनि ईश्वर से चाँदो बोंगा मेनाया मेनते बाताव होयोआ।

३. हेपेरह़ेडेच् :

१.जगत् से धार्ति रे आदि कारण स्वीकाँर द नेहात् लागति बानुआ। चाँदो बोंगा आदि कारण हिस़ावते बां बोन स्वीकाँर लेयखान हँ जगत् रेनाः ब्याख्या एमः गान गेया अन्तत न्यायसंगतभाबते द असम्भब बां काना। जगत् रे येमन नियोम हेनाआ अनकागे अनियोम हँ मेनाआ। शृंखला हँ मेनाआ बिशृंखला ह मेनाआ। नंकान दोष - गुण मेशालान धार्ति रे अकय आय -उमा़निया़ स्वीका़रे गानः रेह सर्बञ (सानामा ए बाड़ाया) आर सर्बक्षम (सानामा ए दाड़ेयाआ) चाँदो बोंगा रूपते गोन्योये द बां गानआ।

२. कार्य आर कारण रेनाः दैशिक (दिशोम,अत् रे) आर कालिक (समय रे) ,याहा द दिशोम आर समय रेनाः हाटिञान जगत् रे गे प्रयोग होय दाड़ेयाआ। देश काल टाँडा ताव् कातेत् अखण्ड चाँदो बोंगा चेतान रे प्रयोग बां कुलौ आ। अनाते देश काल रे मेनाः जगत् रेनाः कारण चेत् काना नोवा बाड़ाय लागित् देशकाल खन चेतान रे मेनाय चाँदो बोंगा ठेन कारण काथा प्रयोग द युक्तियुक्त बां होयाकाना।

३. बिश्वतात्त्विक युक्ति रे चाँदो द धार्तिरेन बारहे कारण लेकाते मानाव हो-याकाना। अनाते उनि द सीमित आर सापेक्ष लेकातेये गण्य आकाना। चाँदो द जगत् रेन बारहे कारण लेकाते मने लेखान उनि द आद सर्वधारक (सानामा ए साव् दह दाड़ेयाआ याँहाय) सर्बव्यापक (सानामाः रे मेनाया याहाय) मेनते बाबोन ठ़ाओकौ दाड़ेवाया।

४. धार्ति द आपतिक, सापेक्ष आर चाँदो द आबश्यिक आर निरपेक्ष (आच् चेतान निर्भर) हिस़ाब ते गण्य येकान रेह चाँदो बोंगावाः आसल रूप द बां बाड़ायः काना। । आपेक्षिक येमन आपतिके आचु बागावेया अनकागे आच् हय बागाव अचोआ। नंकान एटाः सत्ता द्वारायते चालुः कान सत्ता द आर याहागे चाँदो बोंगा मेताय द बां कुलौआ।

४. एनेम :

काथाद होयोः काना एकुइनास चाँदो बोंगा प्रमाणे लागित् याहाको युक्तिये एमाकादा अनाको सानामाः रेगे कम खन बिशि सेच् ए आमदजाकादा। धार्ति बां पूरूणा , सीम़ा मेनाआ,परिणामी आर हाटिञ गेया। नंकान जगत् रे ञेल ञामः कान अभिग्गता चेतान निर्भर कातेत् एकुइनास द मित् पुरिपूर्णो,असीम,अपरिणामी, अखण्ड चाँदो बोंगा ये आम्दाजाकादेया। नडे द अबरोह युक्ति रे सिद्धान्त, हेतुबाक्यये टाँडा पारमाकादेते यथात् बां होयाकाना।

गड़सपहत् :

१. डा॰ समरेन्द्र भट्टाचार्य ; पाश्चत्य दर्शनेर इतिहास

२. डा॰ ब्रह्म स्वरूप अग्रवाल- डा॰ ब्रह्म स्वरूप , ठाकुर प्रसाद सिंह: पाश्चात्य दर्शन, प्रकाशक - उ॰ प॰ हिन्दी संस्थान लखनऊ, प्रथम संस्करण 1978

३. प्रो॰ नित्यानन्द मिश्र: समकालीन पाश्चात्य दर्शन- प्रकाशक- मोतिलाल बनरसीदास, द्वितीय पुनर्मुद्रण, दिल्ली 2017

४. प्रो॰ केदारनाथ तिवारी : तत्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा- प्रकाशक- मोतिलाल बनरसीदास, पंचम पुनर्मुद्रण दिल्ली 2017